दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com
भोपाल, 8 मार्च 2025

सत्यकथा

इंदौर / झांसी : सम लिंगी साथी के लिए युवती बनने वाले युवक और युवक बनने वाली युवती को मिला धोखा

बेवफा होना मना है

demo pic.

समलैंगिक, एक ऐसा रिश्ता जहां बेवफाई मना है। कई दशक पहले जब यह रिश्ता आम नहीं था शायद ऐसा ही होता रहा होगा। लेकिन जब रिश्ता आम होने लगा तो इस प्यार में भी बेवफाई की खटाई पड़ने लगी। इंदौर और झांसी में ऐसा ही हुआ। इंदौर का एक युवक अपने समलैंगिक पार्टनर से शादी करने के लिए सेक्स चेंज करवा का लड़की बन गया। लेकिन प्रेमिका के अधूरे ऑपरेशन की बीच ही प्रेमी ने उससे मुंह मोड़कर उसे कहीं का नहीं छोड़ा। जबकि झांसी में प्रेमिका की खातिर सेक्स चेंज करवा कर लड़का बनी सना को ऑपरेशन के घाव भरने से पहले की उसकी प्रेमिका सोनम एक युवक के इश्क में पड़कर उसे छोड़ गई।

demo pic.

दतिया के एक मोहल्ले में रहने वाली सना ने बचपन से घर में गरीबी देखी थी। परिवार का गुजारा मां को मिलने वाली पेंशन पर होता था। इसलिए होश संभालने तक उसने मन में यह फैसला कर लिया था कि वो अपनी मेहनत से परिवार की गरीबी को परास्त करके ही दम लेगी। कुछ करने के लिए कुछ बनना जरूरी है और इसके लिए पढ़ना। इसलिए लगन लगाकर एमकाम करने के बाद उसने ग्वालियर के एक नर्सिंग कॉलेज से नर्सिंग का कोर्स भी कर लिया। इस दौरान भाई भी अपनी पढ़ाई पूरी कर चुका था जिसके चलते दिन बदले और लगभग एक साथ ही सना और उसके भाई को उत्तरप्रदेश सरकार में नौकरी मिल गई। भाई को बांदा जनपद में पोस्टिंग मिली जबकि स्वास्थ्य विभाग में चुनी गई सना को झांसी जनपद में।

सरकारी विभाग की मुलाजिम सना, सोनम के मकान में उसकी किरायेदार थी। लेकिन जल्द ही मकान मालकिन और किरायेदार युवती की यह जोड़ी एक दूसरे के प्रेम में ऐसी डूबी की सना ने सोनम के लिए अपना सेक्स तक चेंज करवा लिया। मगर सना का यह बलिदान भी उसकी मोहब्बत को अंजाम तक न ले जा पाया।

यह 2016 की बात है जब नौकरी के लिए सना दतिया छोड़कर झांसी आ गई। यहां रहने के लिए उसे विभाग की तरफ से क्वाटर मिलना था लेकिन संयोग से उस वक्त कोई क्वाटर खाली न होने के कारण उसने एक कालोनी में किराये का मकान ले लिया। मकान मालिक के घर में माता-पिता के अलावा दो जवान बेटियां थी। जिनमें बड़ी बेटी की शादी हो चुकी थी। दो मंजिला मकान में सना ऊपर वाली मंजिल पर रहती थी। सना जब भी घर पर होती तो मकान मालिक की बेहद ही खूबसूरत अविवाहित बेटी सोनल अक्सर उसके पास आकर बैठ जाती थी। दोनों हमउम्र और अविवाहित थी इसलिए उनकी आपस में खूब बनती थी। जिससे धीरे-धीरे उनकी दोस्ती गहराने लगी।

शेष पृष्ठ 4 पर...

गुजरे साल में 4 फरवरी की बात है जब इंदौर में रहने वाले एक फैशन डिजायनर राजेश के मोबाइल पर कानपुर से उसके दोस्त वैभव शुक्ला का फोन आया। स्क्रीन पर वैभव का नाम देखते ही राजेश बुरी तरह शर्मा गया फिर फोन उठाते हुए मीठी आवाज में कहा- बोलिए।

लड़कियों का बदन नापते हुए इंदौर के फैशन डिजायनर राजेश के हाथ भले न कांपे लेकिन वह किसी लड़के का बदन नापता तो हाथ कांपने और खून उबलने लगता क्योंकि लड़कों के बदन से आने वाली पसीने की गंध से राजेश के रोम-रोम में उत्तेजना मचलने लगती थी।

याद आ रही हो यार।

हूं।

हूं क्या, मिलने आ जाओ न कानपुर।

थोड़ा सब्र करो तुम्हारी राजेश जल्द ही रजनी बनने वाली है। फिर मिलेंगे और जी भर कर प्यार करेंगे। बस एक सर्जरी की देर है डॉक्टर कह रहा था कि अगले महीने वो मेरा प्राइवेट पार्ट भी फीमेल में चेंज कर देगा।

अरे यार हमारे बीच मेल-फीमेल कहां से आ गया। तुम लड़की बन जाओगी वो ठीक है लेकिन अभी भी तो तुम जैसी हो आखिर मेरी जान हो।

इतने प्यार से बोलोगे तो मैं रो पड़ूंगी, राजेश गहरी सांस लेकर बोला।

तो आ जाओ न यार।

ओके, दस दिन बाद वेलेंटाइन-डे है तब आती हूं।

मैं इतना इंतजार नहीं कर सकता।

ओह डीयर, तुम भी न बिलकुल पागल हो।

शेष पृष्ठ 2 पर...

...पृष्ठ 1 से जारी

इंदौर में समलैंगिक सेक्स का चर्चित मामला, युवती बनने के बाद युवक को मिला प्रेमी से धोखा

कभी-कभी तो डर लगता है कि जब में पूरी लड़की बन जाऊंगी तो मालूम नहीं तुम मेरा क्या हाल करोगे। लेकिन ठीक है तुम चाहते हो तो कल ही यहां से कानपुर के लिए निकलती हूं लेकिन मुझे हमेशा की तरह ज्यादा परेशान मत करना।

राजेश की बात वैभव ने मान ली तो दोनों तरफ से फोन पर किस की आवाज गूंजने के बाद राजेश (बदला नाम) ने फोन रख दिया और अपना बुटीक बंद कर कानपुर जाने की तैयारी करने घर के लिए निकल पड़ा।

जेंडर चेंज करवाने के बाद रजनी बनी राजेश।

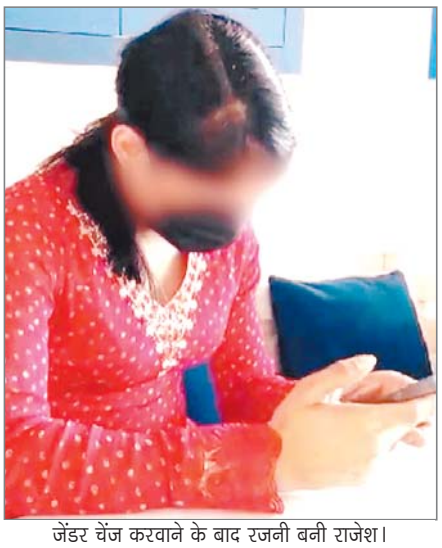

दरअसल राजेश और वैभव शुक्ला की यह अनोखी प्रेम कहानी 2020 के अंत में इंस्टाग्राम पर मुलाकात से शुरु हुई थी। राजेश को अपने जैसे लड़कों के प्रति आकर्षण था और यही हाल वैभव का था। उस समय वैभव ने राजेश को अपना नाम सोनू मौर्य निवासी थाटीपुर ग्वालियर बताया था। चूंकि सेक्स के संबंध में दोनों की अनोखी रुचि आपस में मिलती थी जिसके चलते दोनों जल्द आपस में मिलने के लिए तरसने लगे।

दो महीने बाद ही होली को त्यौहार आया तो सोनू ने राजेश को वृंदावन बुलाया जहां वह हर साल होली खेलने जाया करता था। राजेश अपने प्रेमी की बात टाल नहीं सका। इसलिए वृंदावन में दोनों की पहली मुलाकात हुई। उन्होंने आपस में खूब होली खेली और उसी रोज रात के समय वैभव ने राजेश के साथ प्रेमी की तरह अप्राकृतिक तरीके से यौन संबंध बनाए। राजेश को सोनू का संग बेहद सुखद लगा जिससे वह सोनू के साथ वहां तीन दिन तक रुका जिसमें दोनों पूरे समय एक दूसरे की इस अनोखी वासना को संतुष्ट करते रहे। शारीरिक

कानपुर का वैभव शुक्ला भी राजेश की तरह लड़की के बजाए लड़कों में रुचि रखता था। इस पर भी संयोग यह कि समलैंगिक प्यार में जहां वैभव को लड़के के तौर पर एक्ट करने का शौक था तो वहीं राजेश को इस लड़की बनने का था। यह जरूरी 'गुण' मिल जाने से उनके बीच रिश्ता भी बन गया मगर फिर एक रोज जब वैभव के लिए लड़की बनने जा रहा राजेश अपनी नई पहचान से केवल एक कदम दूर था कि वैभव ने उसका साथ छोड़ दिया।

रिश्ता बनने के बाद सोनू और राजेश की दोस्ती और गहरी हो गई। इसलिए राजेश अक्सर सोनू के बुलाने पर उससे मिलकर अपनी समलैंगिक वासना की आग

मेरी जिंदगी बर्बाद हो गई

इस मामले में युवक से ट्रांसगर्ल बने राजेश का कहना है कि वैभव ने मेरी जिंदगी खराब कर दी। उसके कहने में आकर लड़की बनने के लिए मेरे कई ऑपरेशन हो चुके है। केवल प्राइवेट पार्ट बदलना बाकी था कि वैभव ने धोखा दे दिया। मैं बच्चा पैदा नहीं कर सकती इसलिए मुझसे कौन शादी करेगा।

वापस लड़का बनना संभव नहीं

इस मामले में मेडिकल एक्सपर्ट का मानना है कि एक बार किसी को जेंडर बदल दिया जाए तो उसको फिर वापस मूल जेंडर में नहीं लाया जा सकता। इसलिए राजेश अगर चाहे कि वो रजनी से फिर राजेश बन जाए तो यह संभव नहीं है।

शांत करने कभी दिल्ली तो कभी आगरा जाता रहा।

इसी बीच वैभव ने सोनू से कहा कि वो उसे पसंद करता है और हमेशा अपने साथ रखना चाहता है। इसलिए राजेश अगर जेंडर चेंज करवा ले तो वह उससे शादी करने तैयार है। राजेश तो सोनू की पत्नी बनने के लिए तरस ही रहा था इसलिए वह तुरंत राजी हो गया। वैभव इंदौर आकर राजेश के परिवार वालों से मिला। उसे वादा किया कि राजेश के लड़की बनते ही वह उससे शादी कर लेगा। परिवार भी राजी हो गया जिसके चलते जुलाई 22 में डॉक्टर से सोनू की पहली सर्जरी कर उसके स्तन बना दिए।

राजेश अब रजनी बनने का लगभग आधा सफर तय कर चुका था। उसका ऊपरी शरीर युवती का बन चुका था जबकि कमर से नीचे वो अभी भी युवक की था। लेकिन इस सर्जरी के बाद सोनू ने अचानक उसके फोन तक रिसीव करना बंद कर दिया।

सोनू के इस व्यवहार से राजेश बहुत दुखी था। उसका दिल टूट गया था। लेकिन जेंडर चेंज करवाने के मामले में वह इतना आगे बढ़ चुका था कि अब अगर अपना इरादा बदलता भी है तो वह न पुरुष रह जाएगा और न लड़की ही बन पाएगा। इसलिए वह सोनू की खोज करते हुए ग्वालियर में उसके पते पर पहुंचा तो जानकारी लगी कि वहां सोनू नाम का कोई युवक कभी नहीं रहा। मतलब साफ था सोनू ने फर्जी नाम और पते के साथ राजेश से दोस्ती कर उसके साथ अप्राकृतिक संबंध बनाए थे। इस घटना से दुखी राजेश पुलिस के पास भी पहुंचा लेकिन राजेश के पास न तो सोनू का असली नाम था और न पता इसलिए मामला आगे नहीं बढ़ सका। जिससे राजेश अपना टूटा दिल किसी तरह संभालने में जुट गया।

इसी बीच संयोग से 2023 की होली में राजेश कुछ सोचकर एक बार फिर वृंदावन पहुंचा। संयोग से जिस होटल में राजेश रुका उसी होटल में तीन कमरे के बाद चौथे कमरे में सोनू अपने दोस्तों के साथ रुका था। सोनू ने राजेश को देखकर उससे बात करने की कोशिश की लेकिन राजेश ने उससे बात नहीं की।

जिसके बाद जून 23 में सोनू एक बार फिर इंदौर में राजेश के घर आ गया। इस बार उसने राजेश के परिवार वालों को वैभव शुक्ला के तौर पर अपनी असली पहचान भी बताते हुए पनकी कानपुर का अपना पता भी दे दिया। साथ ही एक बार फिर राजेश के साथ शादी का वादा करते उसे उसके जेंडर चेंज करवाने की प्रक्रिया पूरी करने में आर्थिक मदद की बात भी कही। इतना ही नहीं वैभव 50 हजार रुपए ऑपरेशन के लिए उसी समय दे गया और एक लाख रुपए उसने कानपुर पहुंचकर भेज दिए।

अब वैभव पर अविश्वास करने का कोई कारण नहीं था। इसलिए वैभव के प्यार में डूबा राजेश एक बार फिर रजनी बनने की दिशा में आगे बढ़ने लगा। उसने अपने चेहरे की सर्जरी और हेयर ट्रांसप्लांट भी करवा लिया। अब राजेश के रजनी बनने के लिए केवल एक ऑपरेशन बाकी जिसमें डॉक्टर उसका मेल आर्गन हटाकर उसकी जगह फीमेल प्राइवेट पार्ट बनाने वाले थे जिसके लिए जुलाई 24 की तारीख भी तय हो चुकी थी। इस बीच वैभव कई बार राजेश से मिलने इंदौर आया और उसे कभी दिल्ली तो कभी आगरा बुलाया। इस दौरान वह राजेश के साथ कई-कई दिन साथ रहा और इस दौरान दर्जनों बार उसके साथ अप्राकृतिक रूप से सेक्स भी किया। राजेश तो वैभव को अपना पति मान चुका था इसलिए वैभव के कहने पर वह उसे हर तरीके से संतुष्ट करने लगा।

फरवरी 24 में वैभव ने राजेश से वेलेंटाइन-डे पर

कानपुर जाकर जलाना चाहता था वैभव का घर

राजेश का प्रेमी वैभव शुक्ला।

वैभव की बेवफाई से आहत राजेश ने अपने एक दोस्त के साथ कानपुर जाकर वैभव के घर को आग में फूंकने की कोशिश की। इसके लिए उसने घर बाहर खड़ी वैभव की कार में आग लगा दी ताकि उसका पूरा घर जल जाए। लेकिन वक्त रहते आग पर काबू पा लेने से राजेश की मंशा पूरी नहीं हो सकी।

45 लाख रुपए खर्च किए

पीड़ित राजेश का कहना है कि वैभव के प्यार में उसकी पत्नी बनने के लिए मैंने जेंडर चेंज करवाने की खातिर 45 लाख रुपए खर्च कर दिए है। जिसमें वैभव ने भी ढेड लाख रुपया दिया था।

सीवी सिंह
टीआई

मामला दर्ज करने में आई समस्या

टीआई सीबी सिंह के अनुसार इस मामले में सबसे बड़ी समस्या यह थी कि शिकायत कर्ता राजेश को लड़की माना जाए या लड़का। इसलिए काफी सोच विचार के बाद आरोपी के खिलाफ अप्राकृतिक दुष्कृत्य का मामला दर्ज किया गया है।

इंदौर आकर मिलने का वादा किया था। लेकिन इसी बीच 4 फरवरी को वैभव ने अचानक की उसे फोन करके कानपुर बुलाया। राजेश अब पूरी तरह ही रजनी बनकर वैभव से अकेले में मिलने की योजना बनाने लगा था। लेकिन वैभव ने उसकी बहुत याद आने की बात कहीं तो राजेश अपने आशिक की बात नहीं टाल सका और 6 फरवरी को कानपुर पहुंच गया जहां वैभव ने उसके लिए पहले ही होटल में कमरा बुक करवा रखा था।

राजेश के होटल में पहुंचते ही पीछे से वैभव भी वहां आ गया और उसने आने के साथ ही राजेश के साथ अप्राकृतिक वासना का तूफान खुला छोड़ दिया। उस रोज वैभव ने पूरे दिन में राजेश के दर्द की परवाह किए बिना चार बार अप्राकृतिक संबंध बनाए। राजेश यह सोचकर अपना दर्द सहन करता रहा कि वैभव जल्द ही उसका पति बनने वाला है।

इस दौरान जब वैभव थककर बिस्तर पर लेट गया तो राजेश प्यार से बोला इसी लिए बेताब थे क्या मुझसे मिलने?

नहीं यार एक जरूरी बात करना थी।

क्या, हमारे इस प्यार से भी ज्यादा जरूरी।

हां ऐसा ही समझ लो।

तो बताओ न।

यार सॉरी मैं तुमसे शादी नहीं कर पाऊंगा। वैभव ने राजेश से नजरें चुराते हुए कहा।

मजाक करने बुलाया है क्या।

मजाक नहीं सच है। तुम छोटी जाति के हो और में ब्राह्मण इसलिए हमारी शादी संभव नहीं है।

जानते हो तुम क्या कह रहे हो। मैं लड़की बनने की कगार पर खड़ी हूं। बस कुछ दिन की बात है फिर हम वास्तविक स्त्री-पुरुष की तरह प्यार कर सकते हैं, राजेश ने उससे कहा।

लेकिन तुम वास्तविक स्त्री हो तो नहीं सकती न।

यह बात तो तुम्हें पहले से पता थी।

हां, लेकिन तब मेरी मति मारी गई थी। अब तुम जाओ और फिर मुझसे मिलने की कोशिश मत करना वर्ना मुझसे बुरा कोई नहीं होगा। ऐसी धमकी देकर वैभव चला गया तो राजेश दुखी मन से इंदौर लौटकर सीधे तत्कालीन विजयनगर थाना टीआई सीबी सिंह से मिला और पूरी बात बताते हुए वैभव के खिलाफ मामला दर्ज करवा दिया। मामला बेहद अजीब था इसलिए पुलिस ने अप्राकृतिक कृत्य की धारा 377 के तहत मामला दर्ज कर जांच की जिम्मेदारी एसआई सीमा धाकड़ को सौंप दी।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

शिवपुरी

फूफा के घर में रहने वाले ममेरे भाई ने फुफेरे भाई को प्रेमिका बनाकर बनाए संबंध

शिवपुरी जिले के दिनारा थाने की सीमा में बसा बैसोरा कला गांव। तारीख 23 फरवरी 2024। सुबह का वक्त था इसलिए आदत के अनुसार गांव के कई लोग रोज की तरह सुबह नींद से उठकर नहर की तरफ जा रहे थे तो कुछ लोग वापस गांव की तरफ लौट भी रहे थे।

ऐसे में गांव का एक आदमी जब नहर के किनारे-किनारे चले हुए थोड़ी दूर पहुंचा तो वहां झाड़ियों के पीछे किसी युवक की रक्त रंजित लाश देखकर चौंक गया। लाश औंधे मुंह पड़ी थी इसलिए चेहरा देखने के लिए उसने दाएं-बाएं झुककर काफी

demo pic.

फुफेरे भाई को बनाया प्रेमिका

कोशिश की लेकिन जब लाश को पहचान न सका तो उसने आवाज देकर गांव की तरफ लौट रहे लोगों को पास बुलाकर पूरी बात बताते हुए शव पहचानने को कहा।

अरे हमें लाश पहचान कर क्या रिश्तेदारी निभाना है दादा, पुलिस को बता देते हैं खुद आकर देख लेगी कहते हुए एक व्यक्ति ने जेब से मोबाइल निकलकर तत्कालीन दिनारा टीआई संतोष भार्गव को लाश की खबर दे दी। लाश मिलने की सूचना पाते ही दिनारा टीआई मौके पर पहुंच गए। जहां पुलिस ने जांच के दौरान युवक का शव सीधा किया तो उसका चेहरा देखते ही लोगों ने उसकी पहचान विशाल के रुप में कर दी जो पास के गांव का रहने वाला था। बैसोरा कला गांव में विशाल की बुआ रहती हैं, विशाल काफी साल तक अपनी बुआ के घर में रह चुका था इसलिए गांव के आदमियों को उसे पहचानने में देर नहीं लगी।

रोज कई बाद बनाता था अप्राकृतिक संबंध

विजय ने पुलिस को बताया कि विशाल नमक हराम था। वह बचपन से ही हमारे घर में रहता था। इस दौरान रोज रात में साथ सोते समय मेरे साथ कई बार संबंध बनाता था। इसके बाद वह दिन में मुझे खेतों में भी ले जाने लगा था। घटना के दिन उसने मुझे आंगनबाड़ी के पीछे बुलाकर बुरा काम किया। जिसके कुछ देर के बाद वह फिर मुझे नीचे गिराकर मेरे कपड़े खोलने लगा तो मैंने उसकी हत्या कर दी।

विशाल के सिर में काफी नजदीक से गोली मारी गई थी। जिससे उसकी खोपड़ी का एक हिस्सा बुरी तरह घायल हो गया था। इस दौरान खबर पाकर विशाल के परिवार के मौके पर पहुंचने से पहले उसका

शुरूआती दिनों में विजय को भी विशाल के साथ यौन-सुख लूटना मन को भाने लगा था। लेकिन जब विशाल उसके साथ दिन में कई बार यह सब दुहराने लगा तो विजय परेशान हो गया था।

हमउम्र ममेरे भाई विशाल के साथ आकर रहने की बात पर विजय बेहद खुश था। लेकिन उसे क्या पता था कि घर में रहने आया उसके ममेरे भाई की यह नजदीकी उसके जीवन को नरक बना देगी।

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

फुफेरा भाई विजय वहां पहुंचकर शव से लिपटकर रोने लगा।

उसने पुलिस को बताया कि विशाल ममेरा होकर भी उसके सगे भाई जैसा था। वह बचपन से ही हमारे घर में रहा है इसलिए हमारे बीच भाई का ही नहीं दोस्ती का भी रिश्ता था। थोड़ी देर में विशाल के परिवार वाले भी खबर पाकर मौके पर आ गए। जिन्होंने प्रारंभिक पूछताछ में विशाल की या परिवार की गांव में किसी से रंजिश होने की बात से इंकार किया।

पुलिस ने बारीकी से जांच का शव पीएम के लिए भेजने के बाद परिवार वालों के अलावा गांव के लोगों से पूछताछ की जिसमें सिवाए इसके कोई दूसरी बात पुलिस के हाथ नहीं लगी कि विशाल गांव में सालों अपने फूफा के यहां रहा है एवं फूफा के बेटे विजय के साथ उसकी गहरी दोस्ती थी। पुलिस को जानकारी लगी कि मृतक विशाल की कुछ महीने पहले ही शादी हुई है। इसलिए पुलिस इस ऐंगिल से भी जांच करने लगी कि विशाल की हत्या में कहीं उसका या उसकी नवविवाहिता का पुराना प्रेम संबंध जिम्मेदार नहीं है।

मामला सीधे-सीधे हत्या का था इसलिए पीएम रिपोर्ट आने से पूर्व ही एसपी शिवपुरी के निर्देश पर दिनारा थाने की टीम मामले की जांच शुरू कर चुकी थी। लेकिन दो दिन बाद जब पुलिस को मृतक की शार्ट पीएम रिपोर्ट मिली तो वह बेहद चौंकाने वाली थी। रिपोर्ट में बताया गया था कि हत्या से पूर्व मृतक ने समलैंगिक रिश्ता बनाया था।

शिवपुरी से इस्लाम शाह

इस जानकारी के बाद पुलिस गांव में इस बात की जानकारी जुटाने में लग गई कि उसकी गांव में किस युवक से दोस्ती थी। अप्राकृतिक संबंध किसी युवती से भी बनाए जा सकते हैं इसलिए पुलिस उसकी प्रेमिका की जानकारी भी जुटाने लगी। लेकिन दोस्ती के मामले में उसके फुफेरे भाई विजय के अलावा किसी और का नाम सामने नहीं आया।

इससे इस भरोसे के साथ पुलिस ने विजय से पूछताछ की कि उसे विशाल की प्रेमिका या किसी युवक के साथ संबंध की जानकारी अवश्य होगी। लेकिन विजय ने ऐसी किसी जानकारी के होने से इंकार किया। इससे खुद विजय ही पुलिस की शक के दायरे में आ गया। दरअसल विजय खुद ही पुलिस को बता चुका था कि विशाल उसका ममेरा भाई कम दोस्त ज्यादा था। ऐसे में विशाल के समलैंगिक रिश्ते या प्रेम संबंध के बारे में विजय का मालूम न हो यह संभव नहीं था। इसलिए पुलिस ने विजय और विशाल दोनों की मोबाइल लोकेशन निकाली तो पता चला कि घटना के दिन में विशाल ने कई बार विजय से बात की थी। घर से निकलने से पूर्व भी उसने विजय को फोन किया था। जो उसके मोबाइल से किया आखिरी फोन था। इतना ही नहीं घटना की रात विजय के मोबाइल की लोकेशन भी उसी नहर के किनारे की मिल रही थी जहां विशाल की लाश मिली थी।

सौरभ भार्गव
टीआई दिनोरा

इसलिए पूरी जानकारी एसपी शिवपुरी को देकर पुलिस ने विजय को एक बार फिर थाने बुलाकर उसके साथ सख्ती से पूछताछ की जिससे थोड़ी ही देर में विजय ने टूटने के बाद ममेरे भाई की हत्या का अपराध स्वीकार करते हुए जो कहानी बताई वह बेहद चौंकाने वाली थी। विजय ने बताया कि विशाल बचपन से ही उसके साथ गंदा काम कर रहा था। बड़े होने पर मैंने उसका विरोध किया लेकिन वह पुरानी बातें सबको बता देने की धमकी देकर मेरे साथ बुरा काम करने अक्सर गांव आता था।

शेष पृष्ठ 7 पर...

जो बात तुझमें है वो ...

विजय के अनुसार विशाल इस मामले में पागलों की तरह व्यवहार करता था। शादी के बाद तो वह मेरे साथ गंदा काम करते हुए गाना गुनगुनाता रहता था कि जो बात तुझमें है वो तेरी भाभी में नहीं।

पत्नी के साथ संबंध बनाने का ऑफर

घटना स्थल पर पड़ा ममरे भाई का शव।

जांच में सामने आया है कि विजय लंबे समय से विशाल के चंगुल से बचने का प्रयास कर रहा था। विशाल की शादी के बाद उसे छुटकारे की उम्मीद थी लेकिन विशाल फिर भी उससे संबंध बनाता रहा। यहां तक की उसने इसके बाद विजय के सामने अपनी पत्नी से उसके संबंध बनवा देने का प्रस्ताव भी रखा था। विशाल ने बतया कि विजय की शादी हो जाने के बाद मैंने उससे कहा कि भाभी के साथ रहा करो मेरे पीछे क्यों पड़े रहते हो। इस वह इस बात का दबाव बाले लगा कि मैं उसकी पत्नी को संतुष्ट करने के अलावा खुद विशाल को भी संतुष्ट करता हूं।

दूसरी बार जिद की तो मार डाला

विजय ने अपने बयानों में पुलिस को बताया है कि विशाल आठ साल से उसके साथ गंदा काम कर रहा था। वह रात में तीन से चार बार और दिन में कभी एक तो कभी दो बार संबंध बनाता था। इससे मैं उससे तंग आ गया था। उस रोज भी मेरे साथ एक बार संबंध बनाने के बाद मैं घर वापस आने लगा तो उसने दूसरी बार संबंध बनाने के लिए मुझे जमीन पर गिरा लिया। जिससे गुस्से में आकर मैंने उसे गोली मार दी।

...पृष्ठ 1 से जारी

झांसी में युवती से युवक बने प्रेमी को समलैंगिक प्रेमिका ने दिया धोखा

बेवफा होना....

पहले शिद्दत से मोहब्बत फिर बेवफाई। जी हां, इस केस में कुछ ऐसा ही है। ये मामला है उत्तर प्रदेश के झांसी जिले का। जहां सरकारी नौकरी करने वाली लड़की पर इश्क का जुनून इस कदर चढ़ा कि उसने अपनी पहचान तक बदल डाली। जेंडर चेंज कराकर वो लड़की से लड़का बन गई। मगर उसकी माशूका ने कुछ ऐसा कर दिया कि वो कहने को मजबूर हो गई 'सोनल बेवफा है।' ये कहानी है झांसी के सोहेल उर्फ सना और उसकी बेवफा माशूका की।

demo pic.

अपितु सोनल के माता-पिता थोड़े पुराने विचारों के थे इसलिए दूसरे धर्म की सना को उन्होंने मकान तो किराये पर दे दिया था लेकिन इसके अलावा वे उससे ज्यादा अपनापन बनाकर नहीं रखना चाहते थे।

जबकि दूसरी तरफ मकान मालिक परिवार की बेटी सोनल, सना के लगातार नजदीक होती जा रही थी। जिसके चलते एक समय ऐसा भी आया कि शाम को खाना खाने के बाद सोनल गप्पे लड़ाने सना के कमरे

सोनल और सना।

में आती तो प्रायः उसके साथ ही सो जाती। रात में दोनों सहेलियां शादी के बाद जिंदगी में आने वाले बदलाव की बातें करती और कभी-कभी मन बहलाने के लिए कोई एडल्ट फिल्म भी साथ देखते हुए सो जाती। इसका नतीजा यह हुआ कि जल्द ही सोनल और सना के बीच समलैंगिक संबंध बन गए।

चूंकि सोनल के घर वाले दोनों की दोस्ती को पसंद नहीं करते थे इसलिए सना जल्द से जल्द वह मकान छोड़ना चाहती थी लेकिन सोनल उसे ऐसा करने पर अपनी जान देने की धमकी देती थी। संयोग से एक साल बाद अगस्त 2017 में सना को सरकारी क्वाटर एलाट हो जाने से 10 अगस्त को वह सोनल का घर छोड़कर अपने क्वाटर में आ गई। सोनल के साथ-साथ सना को भी घर छोड़ने का दुख था लेकिन सना को लगता था कि यह कहानी जितने जल्दी खत्म हो जाए उतना शुभ है। लेकिन सना को इस बात का अंदाजा नहीं था कि सोनल उसकी कितनी दीवानी हो चुकी है।

मंसूरी में मनाया था हनीमून

सना उर्फ सोहेल ने बताया कि मेरे द्वारा जेंडर चेंज करवाने से सोनम पहले काफी खुश थी। इसलिए उसने नए सिरे से जिंदगी शुरू करने के लिए हनीमून मनाने की इच्छा जाहिर की। मैं उसकी हर इच्छा पूरी करता आया हूं इसलिए सोनल के कहने पर दस दिन के लिए उसे घुमाने ले गया था। सोहेल के अनुसार सोनम को जेवर पहनने का भी काफी शौक था इसलिए मैंने उसके लिए लाखों के जेवर भी बनवाए थे जो वह अपने साथ ले गई।

दरअसल समलैंगिक संबंध बनाने के दौरान सना युवक की यानी प्रेमी की भूमिका में होती थी जबकि सोनल प्रेमिका की। इसलिए अपने प्रेमी का वियोग सोनल सहन नहीं कर सकी जिसके चलते वह चार दिन बाद ही 14 अगस्त को अपना घर छोड़कर सना के साथ रहने उसके सरकारी क्वाटर पर आ गई। उसने सना को बताया कि वो उसके बिना नहीं रह सकती। इसलिए वह उसके साथ रहने की जिद करने लगी। सना ने सोनल को समझाने की बहुत कोशिश। उसे वापस लौट जाने के लिए कहा लेकिन वो नहीं मानी।

सना सरकारी नौकरी में थी। उसे डर था कि कहीं इस बीच सोनल के परिवार वालों ने उसके खिलाफ उल्टा-सीधा मामला पुलिस में दर्ज करवा दिया तो वह परेशानी में आ जाएगी। लेकिन सोनल का कहना था कि वो घर वालों से छुपकर उसके पास आई है इसलिए अगर वापस गई तो न केवल उसके साथ मारपीट हो सकती है बल्कि इसके बाद वह फिर कभी सना के पास नहीं आ पाएगी।

इस दौरान सोनल के घर वालों को मालूम चल गया कि उनकी बेटी सना के साथ रह रही है तो उन्होंने सना को फोन कर सोनल को वापस भेजने को कहा। इस पर सना ने सोनल को समझा-बुझा कर घर वापस भेज दिया। लेकिन सुबह अपने घर गई सोनल शाम को फिर सना के पास वापस लौट आई। सोनल के इस बार सना के पास लौटने में खास बात यह थी कि पहली बार सोनल जहां घर वालों को बिना सूचना दिए चुपचाप अपने समलैंगिक प्रेमी सना के पास वापस आई थी वहीं इस बार सोनल को सना के पास लेकर सोनल की बड़ी बहन के पति यानी सोनल के जीजाजी आए थे। उन्होंने सना को बताया कि यह तुम्हारे बिना घर में रहने तैयार नहीं है। इसे घर में नहीं बल्कि तुम्हारे साथ रहना है। ऐसा कहकर वह सोनल को सना के पास छोड़कर वापस चले गए।

सना समझ गई कि सोनल उसे बहुत प्यार करती है। इसलिए सोनल के जीजाजी के जाने के बाद सना ने सोनल को अपनी बाहों में समेट लिया जिसमें बाद सना और सोनल एक दूसरे के प्यार में ऐसी डूबी की वो दो रात और एक दिन के बाद ही बिस्तर से बाहर निकली। वहीं दूसरी तरफ सोनल को सना के पास छोड़कर जाने के बाद उसके परिवार वालों ने भी महीने भर तक सोनल की कोई खबर नहीं ली।

दोनों दिन रात एक दूसरे के प्यार में डूबी रहने लगी तो एक रोज अचानक ही उन्हें सेक्स चेंज करवाने का विचार आया। दोनों ने तय कर लिया कि वे डॉक्टर से मिलेगी और जांच के बाद डॉक्टर जिसको भी सेक्स चेंज के लिए उपयुक्त पाएगा वह लड़की से लड़के में अपन लिंग परिवर्तन करवा लेगी।

इस समलैंगिक प्यार में सना ही लड़के की भूमिका में थी इसलिए सोनल चाहती थी कि सना ही लड़का बने। क्योंकि इस प्यार में वह लड़की बनकर खुश थी। लेकिन सोनल जानती थी कि वो सरकारी नौकरी में है इसलिए जेंडर चेंज करवाने के बाद उसे कई तरह की दिक्कत नौकरी में आ सकती हैं। लेकिन सोनल और सना एक दूसरे से अलग भी नहीं होना चाहती थी इसलिए दोनों ने एक चांस लेने का फैसला करने के बाद दिल्ली के एक अस्पताल पहुंची जहां दोनों की काउंसलिंग की गई। जिसमें जांच के बाद अस्पताल ने सना को जेंडर चेंज सर्जरी के लिए फिट करार दिया।

सना सेक्स चेंज करवा कर लड़का बन रही है, इस बात की जानकारी किसी तरह सोनम के घर वालों को लग गई। जिससे 14 सितंबर 2017 को सोनल के परिवार ने झांसी के महिला थाने में शिकायत कर दी कि वो उनके घर में पीजी रहती थी और उसी दौरान उनकी बेटी सोनल को बहला फुसला दिया। जिससे लड़की घर छोड़कर चली गई। उनकी शिकायत पर सना और सोनल को थाने में बुलाया गया। पुलिस ने जब दोनों से पूछा तो सोनल ने खुद ही पुलिस को सारी बात बता दी। सोनल ने पुलिस से कहा कि मुझे तो सना के साथ ही रहना है। सना को वहां कुछ कहने की जरूरत नही नहीं पड़ी। क्योंकि दोनों बालिग थे। पुलिस ने सोनल को सना के साथ ही भेज दिया।

अस्पताल में काउंसलिंग के बाद भी दोनों तीन साल तक इसी तरह संबंध में रहे। उनकी प्रेम कहानी स्मूथ चलने से दोनों खुश थी। इसी दौरान सना ने सोनल की बात मानकर सर्जरी कराने का फैसला कर लिया। तब पूरे देश में कोरोना का आतंक था। बावजूद इसके 21 जून 2020 को सना और सोनल अस्पताल जाने के लिए निकले वहां डॉक्टरों ने सना की सर्जरी के लिए पूरी तैयारी कर रखी थी। जांच के बाद 22 जून 2020 को ही सना की सर्जरी कर उसके ब्रेस्ट हटा दिए गए। सर्जरी के बाद सना को कम से कम पांच दिन अस्पताल में रुकना था लेकिन कोरोना महामारी के चलते उसे दो दिन में ही डिस्चार्ज कर दिए जाने से सोनल उसे लेकर झांसी आ गई।

सना के सोहेल बनने पर खुशी मनाता युगल।

सना ने बताया कि जब कोई भी जेंडर चेंज कराने जाता है तो उसमें पार्टनर की ज़रूरत रहती है। ऐसे में सर्जरी से पहले सारे दस्तावेजों और कागजों पर सोनल ने वाइफ के तौर पर साइन किए थे। जो हलफनामा अस्पताल में दिया जाता है, वो भी सोनल की तरफ से ही दाखिल किया गया था। कुछ समय के बाद सना का एक और ऑपरेशन कर उसका प्राइवेट पार्ट हटा कर वहां पुरुष प्राइवेट पार्ट बना दिया गया। इस सर्जरी के बाद सना सोहेल खान बन चुके थे।

लेकिन वक्त को कौन देख आया कि वह कब करवट बदल ले। इस प्रेम कहानी में भी ऐसा ही हुआ। दरअसल सना चाहती थी कि अब जब दोनों को जीवन भर साथ रहना है तो सोनल को भी आगे बढ़ाना चाहिए। इसलिए उसने प्रयास कर अपने विभाग में सोनल को संविदा कर्मी के रूप में नौकरी दिलवा दी।

जेंडर चेंज के लिए की जाने वाली सर्जरी में व्यक्ति को पूरी तरह स्वस्थ्य होने में वक्त लगता है। सर्जरी के घाव ही काफी दिनों में भर पाते हैं। इसलिए सना घर पर रहती थी जबकि सोनल, सना द्वारा दिलवाई गई संविदा नौकरी पर आफिस जाती थी। सना अब सना खान से सोहेल खान बन गया था। दो साल का वक्त बीत गया। इसी दौरान साल 2022 में ही झांसी से लगे एमपी के ओरछा की एक निजी अस्पताल में एक फ्रंट ऑफिस जॉब निकली थी। सोहेल ने वहां सोनल को अप्लाई करा दिया और वहां सोनल की जॉब लग गई। अब वे दोनों ही अपने-अपने काम पर जाने लगे थे।

इसी बीच सोहेल को सोनम में चौंकाने वाला चेंज दिखाई देने लगा। सोहेल अभी भी घर का काम ज्यादा नहीं कर सकता था इसलिए ज्यादा जिम्मेदारी सोनम पर थी जिसे वह टालने लगी थी। इतना ही नहीं जितना ध्यान वह सोहेल का पहले रखा करती थी अब उतना ध्यान भी उस पर नहीं दे रही थी। सोनम की अस्पताल में दो शिफ्ट में काम होता था इसलिए सोनम अक्सर रात की शिफ्ट में काम पर जाने लगी। सोहेल ने उसे ज्यादा नाइट शिफ्ट करने से मना किया मगर सोनम ने ध्यान नही दिया उल्टे वह तय समय से लेट घर लौटने लगी। सोनम का बदला व्यवहार सोहेल उर्फ सना को अंदर से खाए जा रहा था।

जिससे सोहेल को लगने लगा कि कहीं न कहीं सोनम की जिंदगी में किसी तीसरे की एंट्री हो चुकी है। इसलिए उसने न चाहते हुए भी सोनम पर नजर रखना शुरू कर दिया। जिसके चलते एक रात अचानक जब ये दोनों घर में सो रहे थे, तो सोहेल को सोनल के रोने की आवाज़ आने लगी। सोहेल ने देखा कि वो कान के नीचे फोन दबाकर किसी से बात कर रही थी। सोहेल ने पूछा कि रो क्यों रही हो? क्या हुआ है? इस दौरान सोहेल ने सोनल के कान के नीचे से फोन निकाल लिया, जिस पर कॉल चल रही थी। मगर सोनल ने ध्यान नहीं दिया कि कॉल कनेक्ट है। सोनल ने सोहेल से कहा कि उसे घरवालों की याद आ रही है। सोहेल को समझ नहीं आया कि अचानक रात में 11 बजे वो भी इतने साल बाद सोनल को घरवाले कैसे याद आ गए? क्योंकि वो अक्सर घर में अपनी बहन और पिता से बात कर लिया करती थी।

तभी सोहेल की नजर सोनल के मोबाइल की स्क्रीन पर पड़ी, जो उसके हाथ में था। उसमें ग्रुप कॉल चल रही थी। सोहेल ने देखा कि उस ग्रुप कॉल में सोनल के अलावा दो और लोग लाइन पर थे, एक त्रिवंकल और दूसरा ज्ञान। जब सोहेल ने इनके बारे में पूछा तो सोनल ने कहा कि त्रिवंकल उसकी बहन बनी है और ज्ञान उसके सर हैं। असल में ज्ञान नाम का वो शख्स उस अस्पताल का एडमिनिस्ट्रेटर था, जहां सोनल काम कर रही थी। सोहेल तब माजरा समझ नहीं पाए। उन्होंने सोनल से कहा कि अभी आराम करो, सुबह इस बारे में बात करेंगे।

सोहेल उर्फ सना के मुताबिक, सुबह उन्होंने सोनल को समझाया और उसी दिन से रोक टोक शुरू कर दी। जब वो सोनल को फोन करते थे, उसका फोन बिजी जाने लगा। गृहस्थ जीवन था। बहुत सारे काम होते थे। लेकिन वो शिफ्ट से पहले ही चली जाती थी। फिर 25 मई 2022 को सोहेल ने सोनल से कहा कि वो उस अस्पताल से नौकरी छोड़ दे। कहीं और नौकरी लगवा देंगे। झांसी में कई अस्पताल थे। मगर सोनल का कहना था कि सना खान हम तुम्हें छोड़ सकते हैं लेकिन वो हॉस्पिटल नहीं छोड़ेंगे। उसने सोहेल के मुंह पर कहा कि वो जॉब नहीं छोड़ेगी। ये सुनकर सोहेल को गहरा धक्का लगा।

सोहेल ने उसे समझाने की कोशिश की तो सोनम उसके ऊपर बंधक बनाकर यौन शोषण करने का आरोप लगाने लगी। दोनों की बीच विवाद शुरू हुआ तो बढ़ता ही गया जिसके चलते 27 मई 2022 सोनल ने सोहेल से फाइनली ये कह दिया कि हम घर छोड़ देंगे, लेकिन नए दोस्त को नहीं छोड़ेंगे। सोहेल के मुताबिक, सोनल की इस बात ने उनको बेहद तकलीफ और चिंतन में डाल दिया। उन्होंने अपने रिश्ते और गृहस्थी को बचाने की पूरी कोशिश की। सोहेल उर्फ सना ने सोनल से कहा कि ये सर्जरी तुम्हारे लिए कराई है, मगर सोनल ने रूखा सा जवाब देते हुए कहा कि इस सर्जरी से मेरा क्या लेना देना?

सना।

सोहेल को सदमा लगा था। वो जबरन तो सोनल को रोक नहीं सकते थे और वहां तमाशा भी नहीं करना चाहते थे। लिहाजा, उन्होंने सोनल से कहा कि ठीक है, तुम जाना चाहती हो, लिखकर जाओ कि तुम मुझे छोड़कर जा रही हो। सोनल ने एक नोट लिखा कि वो सोहेल उर्फ सना को छोड़कर जा रही है और अपना सारा सामान भी छोड़कर जा रही है। इसके बाद सोनल वहां से चली गई।

जब सोनल घर से चली गई तो सोहेल उसी दिन दोपहर को ओरछा में सोनल के अस्पताल जा पहुंचे और वहां जाकर सोनल को समझाया कि घर लौट चलो, ऐसा करने से कोई फायदा नहीं। सोनल ने वहां सोहेल से कुछ नहीं कहा और उनके संग घर लौट आई। रात में दोनों ने खाना खाया। इस दौरान सोहेल ने सोनल को फिर से समझाने की कोशिश की। और यहां तक कह दिया कि ठीक है उसी अस्पताल में नौकरी कर लो, मगर टाइम से घर आओ। मगर सोनल के दिमाग में कुछ ओर ही चल रहा था। उसने सोहेल की बातों का कोई जवाब नहीं दिया। 28 मई की सुबह वो 5 बजे उठी, अपना एक छोटा सा बैग पैक किया। सोहेल ने जब पूछा कि बैग क्यों लिया, तो सोनल ने कहा कि मैं शाम 5 बजे तक आ जाऊंगी, तुम परेशान न हो।

शाम को सोहेल उर्फ सना उसका इंतजार करते रहे, लेकिन वो नहीं लौटी। सोहेल उर्फ सना ने उसके मोबाइल पर कई बार कॉल किया, लेकिन सोनल का फोन बंद आ रहा था। इसके बाद परेशान होकर सोहेल ने सोनल की बड़ी बहन को कॉल किया। जहां से जवाब मिला कि सोनल को तुमसे अब कोई लेना देना नहीं है। इसलिए उसे बार बार फोन मत करो। इतना ही नहीं इस बीच खुद सोनल से फोन पर आकर सोहेल को धमकी देते हुए फोन काट दिया। सोहेल फिर भी प्रयास करते रहे लेकिन फोन नहीं लगा।

उल्टे 30 मई 2022 को सोनल और उसके परिवार ने सोहेल उर्फ सना के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराने की कोशिश भी की। सोहेल पर रेप, अपहरण और शोषण के आरोप लगाए। पुलिस ने सोहेल उर्फ सना खान को तलब किया। एसएसपी के सामने जब सना की पेशी हुई तो सबूतों के साथ सना उर्फ सोहेल ने अपना दर्द बयां किया। जिसे सुनकर ओर सारे सबूतों को देखकर पुलिस ने माना कि सोनल की शिकायत झूठी थी। सना को थाने से छोड़ दिया गया। जिसके बाद सोनल, सोहेल के घर से अपने सामान के साथ-साथ वो गहने भी ले गई, जो सोहेल ने उसके लिए बनवाए थे।सोनल की बेवफाई सोहेल उर्फ सना के दिलों दिमाग पर चोट कर गई। उसके अभिमान को भी ठेस पहुंची। लिहाजा, उसने इस मामले को कानून के दर पर ले जाने का फैसला किया। और अधिवक्ता के जरिए अदालत का दरवाजा खटखटाया। अब यह मामला अदालत में है।

(ये पूरी कहानी पीड़िता सना खान उर्फ सोहेल खान से की गई बातचीत पर आधारित है)

गिरफ्तार कर कोर्ट में लाया गया सोनल को

सोनल

सोहले के वकील के अनुसार दोनों लड़कियां कई साल से रिलेशनशिप में रहीं और सना खान ने अपने प्यार के लिए दिल्ली में अपनी सर्जरी करा ली और मगर जिसके लिए सोहेल ने सब किया, वही उससे शादी नहीं करना चाहती है। उसकी जिंदगी में कोई ओर आ गया है। कोर्ट ने इस मामले में सोनल को समन जारी किया। घरवालों ने समन लेने से इनकार कर दिया और वो अदालत नहीं पहुंची। फिर अदालत ने सोनल के लिए जमानती वारंट जारी किया। वो तब भी नहीं आई। फिर अदालत ने सोनल के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया। पुलिस ने दविश दी और 18 जनवरी को सोनल पुलिस के हत्थे चढ़ गई। शाम को उसे कोर्ट ले जाया गया। मगर उसका मेडिकल नहीं हो पाया था, लिहाजा रातभर वो पुलिस कस्टडी में बाने में रही, अगले दिन सुबह यानी 19 जनवरी उसका मेडिकल कराया गया। उनके वकील ने जमानत के लिए याचिका लगाई। शाम को अदालत ने उसकी जमानत मंजूर कर ली।

यहां बेवफा होना मना है

ऑपरेशन से पहले और ऑपरेशन के बाद।

सोहेल खान के अनुसार में यह नहीं कहूंगा कि लड़की होते हुए में सोनल के साथ संबंध में नहीं थी। मैं संबंध में थी लेकिन इस संबंध के लिए सोनल का प्रयास ज्यादा था। समय के साथ मैंने भी उसे स्वीकार कर लिया। जिसके बाद उसके कहने पर मैंने अपना जेंडर चेंज भी करवा लिया। मैं पिता नहीं बन सकता लेकिन मुझे लगता था कि अब सोनल को पूरा प्यार दे सकूंगा। मगर इसी बीच सोनल किसी और के संपर्क में आ गई और उसने वास्तविक युवक की खातिर मेरे जैसे आर्टिफिशियल युवक को छोड़ दिया जिसने केवल उसकी खातिर ही अपना जेंडर चेंज करवाया था।

पीथमपुर

समलैंगिक चाची ने रचाई भतीजी से शादी

सुनीता शादी से पहले दस से अधिक लड़कियों के साथ संबंध में रह चुकी थी। लेकिन इनमें से कोई भी उसकी पत्नी बनकर रहने राजी नहीं हुई तो उसने अपनी 16 वर्षीय नाबालिग भतीजी को ही अपनी पत्नी बना लिया।

demo pic.

समलैंगिक चाची

खरगोन जिले के थाना टांडा बरुड में सुनीता नाम की विवाहित महिला की गुमशुदगी और उसकी भतीजी गौरी के अपहरण का मामला एक साथ 27 फरवरी को थाने में दर्ज करवाया गया था। सुनीता और गौरी आपस में चाची-भतीजी थी। पुलिस को एक शंका तो यह भी थी कि सुनीता ही अपने साथ गौरी को लेकर गई है। लेकिन पूरा महीना बीतते बीतते भी जब इनकी कोई खबर नहीं लगी तो टीआई ने अपने मुखबिरों को सक्रिय कर सुनीता के मायके से सुनीता के बारे में जानकारी जुटाने की कवायद शुरू की जहां वह एक साल पहले हुई अपनी शादी से पूर्व एक दुकान चलाती रही है। इस प्रयास में पुलिस को चौकाने वाली जानकारी मिली। जिसमें पता चला कि सुनीता समलैंगिक है। मायके में दस से अधिक महिलाओं के साथ उसके यौन संबंध होने की बात भी सामने आई। इनमें से एक युवती अनीता (बदला नाम) के साथ तो लोगों ने उसे रंगे हाथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा था तब उसने अनीता को अपनी पत्नी बताया था।

पुलिस ने अनीता से संपर्क किया जिसमें उसने बताया कि एक रोज मैं सुनीता की दुकान पर गई थी। इस दौरान सुनीता का व्यवहार मेरे प्रति काफी अच्छा रहा जिससे हमारी दोस्ती हो जाने पर उसने मेरा मोबाइल नंबर ले लिया था। इसके बाद वह अक्सर बात करने लगी और मैं भी उससे मिलने के लिए उसकी दुकान पर जाने लगी। इसी बीच धीरे-धीरे उसने मुझे अपने घर ले जाना शुरू कर दिया और एक रोज खेल-खेल के बहाने मेरे साथ यौन व्यवहार करने के बाद आए दिन इसी खेल के लिए मुझे जबरन अपने साथ घर ले जाने लगी थी।

अनीता ने बताया कि बाद में वह मेरे ऊपर अपने साथ शादी करने का दबाव बनाने लगी लेकिन मैंने ऐसा करने से इंकार कर दिया। जिसके बाद उसके परिवार वालों ने जबरन उसकी शादी उमरखाली गांव में एक युवक से कर दी थी।

संयोग से इसी बीच पुलिस को एक व्यक्ति ने खबर दी कि दो दिन पहले जब वह काम से पीथमपुर गया था तो उसने बाजार में अपहृत नाबालिग गौरी को 25-27 साल के एक युवक के साथ घूमते देखा है। उसने यह भी बताया कि इस दौरान गौरी ने मांग में सिंदूर भर रखा था।

इस बात के सामने आने पर पुलिस ने गौरी के घर वालों से उसके किसी युवक के साथ प्रेम संबंध होने के बारे में जानकारी ली लेकिन परिवार वालों का कहना था कि इस संबंध में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। बहरहाल सूचना के आधार पर पुलिस की एक टीम पीथमपुर पहुंची जहां दो दिनों की कवायद के बाद उसने एक घर पर छापामारी कर गौरी को बरामद कर लिया। जिसने न केवल मांग में सिंदूर सजा रखा था बल्कि गले में मंगलसूत्र भी पहना हुआ था। यह देखकर टीम के साथ आई महिला पुलिस ने गौरी से उसके पति के बारे में पूछा तो उसने कहा कि वो बाजार गए है अभी आते ही होंगे। संयोग से इसी समय गौरी का पति घर आ गया जिसे पुलिस ने तत्काल दबोच लिया तो यह राज खुला कि पुरुषों की तरह कपड़े पहने और बाल कटवाए यह युवक कोई और नहीं बल्कि गौरी की चाची सुनीता थी।

अब पूरा मामला साफ हो चुका था इसलिए पुलिस दोनों को लेकर खरगोन आ गई जहां पूछताछ के बाद सुनीता के खिलाफ अपहरण एवं अप्राकृतिक संबंध का मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया जहां से उसको जेल भेज दिया गया।

मायके में जूता-चप्पल की दुकान चलाने वाला परिवार अपनी जवान बेटी सुनीता की समलैंगिक आदत से परेशान था। कस्बे की एक युवती के साथ तो लोग उसे कई बार आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथ पकड़ चुके थे। विवाद बढ़ने पर सुनीता ने अपनी पार्टनर से शादी रचाने की कोशिश भी की थी लेकिन उसकी कोशिश परवान नहीं चढ़ सकी।

इसी बीच सुनीता के विरोध के बावजूद परिवार वालों ने साल भर पहले उसकी शादी एक युवक के साथ कर दी। लेकिन बताते हैं कि सुहागरात में ही सुनीता ने अपने पति से साफ कह दिया कि वह समलैंगिक हैं इसलिए उसे पति के रुप में किसी पुरुष की जरूरत नहीं है। सुनीता की बात सुनकर पति भौंचक रह गया लेकिन लोक लाज के डर से उसने यह बात किसी को नहीं बताई। दूसरे उसे भरोसा था कि धीरे-धीरे सुनीता की यह बीमारी ठीक हो जाएगी और वह उसे पति के रूप में स्वीकार कर लेगी।

लेकिन सुनीता के दिमाग में कुछ और ही चल रहा था। सुसराल में संयुक्त परिवार था इसलिए सुनीता ने अपने जेठ की 16 वर्षीय खूबसूरत किशोर बेटी गौरी को अपना पार्टनर बनाने की सोचकर उसके साथ अपनेपन का व्यवहार शुरू कर दिया। चूंकि परिवार में पति के अलावा किसी को उसके समलैंगिक होने की बात नहीं पता थी इसलिए किसी से इस तरफ ध्यान नहीं दिया। जिसका फायदा उठाकर सुनीता ने किशोर उम्र गौरी के साथ मजाक के बहाने शारीरिक छेड़छाड़ कर उसके मन में वासना की आग फूंकना शुरू कर दिया। जिससे धीरे-धीरे चाची की बातों और हरकतों में नादान गौरी को रस आने लगा। इसलिए जब सुनीता ने देखा कि लोहा गर्म है तो उसने एक रोज गौरी को नए तरीके के कपड़े दिलाने का लालच दिया और अपने साथ पहले खरगोन फिर वहां से इंदौर ले आई।

इंदौर में सुनीता, गौरी को लेकर एक होटल में रुकी जहां उसने बरगला कर रात में गौरी के संग समलैंगिक संबंध बनाने के बाद उसे प्यार से समझाते हुए अपनी पत्नी बनकर रहने तैयार करने के बाद उसकी मांग में सिंदूर भरकर अपनी पत्नी स्वीकार कर लिया। जिसके बाद सुनीता ने खुद अपने बाल मर्दों की तरह कटवा लिए और पेंट शर्ट पहन कर पुरुष बन गई। शाम को सुनीता ने बाजार जाकर गौरी के लिए एक मंगलसूत्र भी खरीदकर पहना दिया और फिर हनीमून के नाम पर 7 दिन तक होटल में रुककर गौरी के साथ अनैतिक संबंधो का खेल रचाती रही फिर 8 वें दिन उसे लेकर पीथमपुर में आकर किराये का मकान लेकर रहने लगी। मकान मालिक को उसने गौरी को अपनी पत्नी बताया था। पुलिस ने जब गौरी को बरामद कर सुनीता को गिरफ्तार किया तब जाकर मकान मालिक को सुनीता के महिला होने की बात पता चली।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

दिखाती थी लड़कियों वाले वीडियो

पीड़ित किशोरी ने बताया कि चाची घर में सबसे अधिक मुझसे बात करती थी। इस दौरान उन्होंने एक दो बार मुझे ऐसे वीडियो दिखाए जिसमें दो लड़कियां गंदा काम कर रही थी। जब मैंने चाची से यह सब दिखाने से मना किया तो चाची कहती थी अरे लड़कों में मजा नहीं आता असली खेल तो दो लड़कियों के बीच होता है।

आरोपी चाची के 10 से अधिक युवतियों से समलैंगिक संबंध

जांच में सामने आया है कि आरोपी सुनीता के अपने मायके में दस भी अधिक युवतियों के साथ समलैंगिक संबंध रह चुके हैं। एक युवती के साथ तो उसने शादी कर उसे अपनी पत्नी बनाने के लिए काफी प्रयास किए लेकिन युवती के परिवार वालों ने उसकी योजना सफल नहीं होने दी।

demo pic.

भतीजी संग होटल में मनाया हनीमून

आरोपी चाची

पुलिस पूछताछ में नाबालिग पीड़िता ने बताया कि चाची उसे नए कपड़े दिलाने के नाम पर पहले खरगोन फिर इंदौर ले गईं। इंदौर की एक होटल में चाची ने पहली रात मेरे कपड़े निकालकर गंदी हरकत की फिर दूसरे दिन मेरी मांग में सिंदूर भर दिया तथा दिन में मंगलसूत्र खरीदकर पहनाया। इसके बाद उन्होंने हनीमून वीक मनाने की बात कही और 7 दिन तक मुझे होटल में रखा। इस दौरान उन्होंने अपने बाल लड़कों की तरह कटवा लिए एवं कपड़े भी पेंट शर्ट पहनने लगी थी।

पीड़ित भतीजी

ये समलैंगिक विवाह भी रह चुके है चर्चा में

समाज ने समलैंगिकता के अस्तित्व को भले ही नकारा हो लेकिन अब समय बदल रहा है। देश में समान लिंग की शादी के कई मामले चर्चा में रह चुके हैं।

मौसमी दत्ता और मौमिता मजूमदार

कोलकाता में मई के महीने में दो लड़कियों मौसमी दत्ता और मौमिता मजूमदार ने आधी रात भूतनाथ मंदिर में चुपचाप शादी की, लेकिन बाद में उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस खबर को शेयर किया। शादी के बाद लेस्बियन कपल ने कहा था कि वह दोनों सोशल मीडिया के माध्यम से एक दूसरे के संपर्क में आए। बाद में जब उन्होंने शादी करने का फैसला किया, तो मजूमदार ने स्वेच्छा से अपनी साथी (दत्ता) के बच्चों को स्वीकार कर लिया। दरअसल मौसमी दत्ता पहले से शादीशुदा थीं और उनके दो बच्चे भी हैं।

शाश्वत और दीयाशा

कोलकाता में 2007 में सबसे पहले इस तरह का मामला सामने आया था। यहां पर उद्यमी शाश्वत लाहिड़ी और फैशन डिजाइनर दीयाशा भट्टाचार्य ने उत्तरी कोलकाता के एक मंदिर में 2007 में शादी की थी।

ज्योति और गुंजन

राजस्थान के अलवर जिले की ज्योति अपनी समलैंगिक पार्टनर गुंजन के साथ फरार हो गईं थीं। पुलिस ने दोनों को हरियाणा के मानेसर में एक साथ रहते हुए पाया। गुंजन एक राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी हैं। इसके अलाव जयपुर से भी इस तरह का मामला सामने आया था।

सुरभि मित्रा और पारोमिता

नागपुर की रहने वाली सुरभि मित्रा और पारोमिता मुखर्जी ने गोवा में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। सुरभि मनोचिकित्सक हैं और पारोमिता चार्टेड अकाउंटेंड हैं।

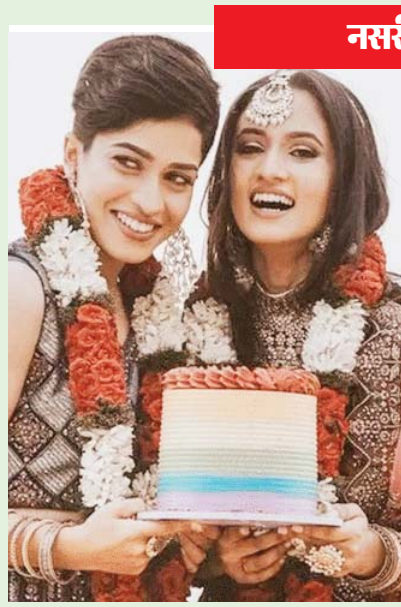

नसरीन-फातिमा

केरल की रहने वाली अधिला नसरीन और फातिमा नूरा ने 2018 में शादी की थी। हालांकि बाद में दोनों को जबरन अलग कर दिया गया था। इसके बाद दोनों ने अदालत ने लंबी लड़ाई लड़ी। इसके बाद कोर्ट ने दोनों को एक कर दिया था।

...पृष्ठ 3 का शेष

घटना के दिन भी उसने मेरे साथ बुरा काम किया। इसके बाद जब मैं घर आने लगा तो उसने मुझे एक बार फिर जमीन पर गिरा लिया और मेरे साथ बुरा काम करने की कोशिश करने लगा। इसलिए मैंने जेब में छुपाकर रखा कट्टा निकालकर उसकी खोपड़ी से सटाकर गोली मार दी और घर जाकर सो गया। पुलिस ने विजय के पास से कट्टा बरामद कर उसे अदालत में पेश किया जहां से उसे जेल भेज देने के बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

बचपन से विशाल की बुआ को उससे काफी लगाव था इसलिए बुआ के कहने पर विशाल उनके घर आकर रहने लगा था। बुआ के घर में उसका हमउम्र फुफेरा भाई विजय था ही जिससे उसका समय आसानी से कटने लगा।

धीरे-धीरे विजय और विशाल (दोनों बदले नाम) की दोस्ती गहराने लगी। जिससे वह घर के बाहर गांव में हमेशा एक साथ दिखाई देने लगे। घर में वे साथ नहाते, साथ खाते और साथ सोते थे।

विजय ने बताया कि मेरे घर रहने के लिए आने के कुछ ही महीने बाद विशाल रात में साथ सोते समय मेरे साथ गंदी हरकतें करने लगा था। मैंने उसकी इस हरकत को मजाक में लिया तो वह अक्सर रात को सोते समय अपने सारे कपड़े निकालकर मुझे भी ऐसा करने को कहने लगा। मैं इसके लिए तैयार नहीं हुआ तो एक रोज वह नाराज होकर बोला कि ठीक है अगर ऐसा है तो मैं कल ही अपने गांव वापस चला जाऊंगा। मैं ऐसा नहीं चाहता था इसलिए मैंने उसकी बात मान ली जिसके बाद वह रोज ही मुझे पूरे कपड़े उतार कर साथ सुलाने के बाद मोबाइल पर गंदी फिल्में दिखाते हुए गंदी हरकतें करने लगा। जिसके चलते एक रोज उसने मेरे साथ बुरा काम भी किया। जिसके बाद वह रोज रात में मेरे साथ कभी दो बार तो कभी तीन और चार बार भी मेरे साथ गंदा काम करने लगा।

मैं उसकी इस बात का विरोध करता था लेकिन उसकी हरकतें बजाए कम होने के बढ़ती जा रही थी। पहले तो वह केवल रात में बुरा काम करता था फिर दिन में भी मुझे खेतों में ले जाकर वहां मेरे साथ यही सब करने लगा।

विजय ने पुलिस को बताया कि छह-आठ महीने पहले विशाल की शादी हो जाने से मुझे लगा कि अब वह मेरा पीछा छोड़ देगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह अभी भी गांव आकर मेरे साथ बुरा काम करता रहता था। जब मैं मना करता तो वह कहता कि मेरी बीवी के साथ तू मस्ती कर लिया कर मगर मुझे अपने साथ मस्ती करने से न रोक।

धीरे-धीरे विशाल के शोषण के 8 साल बीत गए। अब तक हमारे इस पाप के बारे में किसी तो नहीं मालूम था लेकिन मुझे लगता था कि किसी दिन गांव वालों ने हमें देख लिया तो मैं किसी को मुंह दिखाने लायक नहीं रह जाऊंगा। इसलिए मैंने उससे पीछा छुड़ाने के लिए गुजरात से एक कट्टा खरीद लिया।

इसलिए जब घटना दिनांक की रात उसे मुझे फोन कर आंगनबाड़ी के पीछे आने को कहा तो मैं कट्टा साथ लेकर आया। लेकिन मुझे गोली चलाने की हिम्मत नहीं हुई। मगर एक बार मेरे साथ सब कुछ करने के बाद वह मुझे नहर की तरफ ले गया। जहां कुछ देर तक उसके साथ घूमने के बाद जब रात हो जाने की कहकर मैंने घर वापस आने की कोशिश की तो विशाल मुझे एक बार फिर जमीन पर गिराकर मेरे कपड़े खोलने लगा। इससे मैंने सोच लिया कि इस आदमी से छुटकारा पाने मुझे हिम्मत करनी ही पड़ेगी इसलिए जब वह वासना में पागल हो रहा था तभी मैंने कट्टा उसके सिर से सटाकर गोली मार दी और चुपचाप अपने घर आकर सो गया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

भरतपुर

लेडी खेल टीचर ने जेंडर चेज करवा की अपनी स्टूडेंट से शादी

कल्पना जिस स्कूल में पढ़ती थी, मीरा उसी स्कूल में टीचर। कल्पना खिलाड़ी थी और मीरा खेल टीचर। जिससे खेल सीखने-सिखाने के दौरान दोनों में हुई दोस्ती ऐसी नजदीकी में बदली कि उन्हें एक दूसरे के बिना नींद नहीं आती थी। इसलिए कल्पना को हमेशा के लिए अपनी बनाने के लिए मीरा अपना जेंडर चेंज करवाकर लड़का बन गई।

शादी के समय मीरा और कल्पना।

खेल खेल में 'खेल'

11 नवंबर 22, उस रोज राजस्थान के भरतपुर जिले के डींग कस्बे में हो रही अजूबी शादी में कस्बे के हजारों लोग बिन बुलाए शामिल थे। दरअसल मामला कुछ ऐसा था कि इस कस्बे के एक राजकीय हाईस्कूल की एक महिला टीचर मीरा कुंतल और उनसे उम्र में 9 साल छोटी उनकी स्टूडेंट कल्पना आपस में शादी करने जा रही थी।

शादी में मीरा और कल्पना के परिवार वालों के अलावा दोनों पक्ष के तमाम नाते-रिश्तेदार भी मौजूद थे। इस मौके पर वर दुल्हन को लेकर हनीमून के लिए शिमला चली गई। जाहिर सी बात है कि इसके बाद मीरा और कल्पना की प्रेम कहानी लोगों में चर्चा का विषय बन गई जो इस प्रकार है।

2013 में डींग में रहने वाले वीरसिंह की चार में से सबसे छोटी बेटी मीरा कुंतल की नौकरी स्थानीय राजकीय गर्ल्स स्कूल में शारिरिक शिक्षक के रुप में लगने के बाद उसने जल्द ही स्कूल में अपनी अलग पहचान बना ली। खेल टीचर होने के कारण मीरा लड़कियों को बालीबाल और कब्बडी का प्रशिक्षण दिया करती थी। इसी मीना के पिता वीरसिंह और दूसरी तीन बेटियां तो खुश थी ही साथ ही साथ दुल्हन बनी कल्पना के माता पिता भी कम खुश नहीं थे। रात भर दोनों की शादी धूमधाम से संपन्न होने के बाद सुबह मीरा अपनी दुल्हन को लेकर घर आ गई जहां दो दिन तक चले सामाजिक रीति-रिवाजों को पूरा करने के बाद अगले दिन मीरा अपनी स्कूल में कस्बे के एक परिवार की निहायत ही खूबसूरत बेटी कल्पना भी पढ़ती थी।

2016 में 16 साल की कल्पना जब दसवीं कक्षा में थी तब एक दिन स्कूल में उसे मीरा ने अचानक रोककर उसका नाम पूछा और उससे खेलकूंद में हिस्सा लेने के लिए कहा। कल्पना की खेलों में ज्यादा रुचि नहीं थी लेकिन टीचर कह रही थी इसलिए उससे कब्बड़ी में भाग लेने की निर्णय ले लिया।

अगले दिन से कल्पना कब्बडी खेलने मैदान में पहुंची तो मीरा ने उसे हाथों-हाथ लिया। स्कूल की कई लड़कियां कब्बडी खेलती थी लेकिन कल्पना के आने के बाद मीरा सबसे ज्यादा ध्यान कल्पना पर ही देती थी। इससे धीरे-धीरे कल्पना और मीरा में दोस्ती जैसा रिश्ता बनने लगा।

इसी बीच कब्बडी सिखाने के दौरान मीरा कल्पना को पकड़ती तो उसके हाथ कल्पना के नाजुक अंगो से टकरा जाते। ऐसा दूसरी लड़कियों के साथ भी खेलते समय होना बहुत स्वभाविक है, मीरा भी लड़की ही थी लेकिन कल्पना ने देखा कि जब भी मीरा के हाथ उसके बदन के नाजुक अंगो से टकराते हैं तो उसके शरीर में एक अजीब सी मीठी सिरहन दौड़ जाती

.....

शादी के दो साल बाद मीरा और उसकी पत्नी कल्पना आज भी प्रेमियों की तरह रोमांटिक लाइफ जी रहे है। कल्पना का कहना है कि ये (टीचर मीरा) अगर लड़का नहीं भी बनते तो मैं इनके साथ ही शादी करती।

.....

है। कल्पना को यह सिरहन बुरी भी नहीं लगती थी। इसलिए जब उसने ध्यान दिया कि कब्बडी सिखाने के दौरान मीरा दूसरी लड़कियों को पकड़ते समय अपने हाथ उनके सीने पर न रखकर पेट पर रखती है लेकिन जब भी वह कल्पना का पकड़ती थी तब उनके हाथ हमेशा कल्पना के सीने के आसपास होते थे।

बहरहाल समय बीतता गया और मीरा के विशेष ध्यान देने के कारण कल्पना कब्बडी की अच्छी खिलाड़ी बन गई। जिससे वह स्कूल की टीम में चुन ली गई। लेकिन बाहर शहर में खेलने जाने के लिए माता-पिता ने किशोर लड़की को भेजने से मना किया तो मीरा ने कल्पना के माता-पिता से मिलकर जिम्मेदारी ली कि वो उनकी बेटी का पूरा ख्याल रखेगी और अपने साथ ही रुकने की व्यवस्था भी करवा देगी।

मीरा, कल्पना को लेकर गई तो उसने उसे अपने कमरे में ही रोका जहां रात में एक ही बिस्तर पर सोते समय आधी रात को कल्पना की नींद खुली तो उसने देखा कि उसकी टीचर मीरा उसे लड़कों की तरह प्यार कर रही थी। वह चौंक कर उठी तो मीरा ने उसका हाथ पकड़कर अपने ऊपर खींच लिया। कल्पना को भी यह सब अच्छा लग रहा था फिर उसकी टीचर लड़की थी इसलिए उसे कोई ऐसा डर भी नहीं था जो लड़कियों को आमतौर पर प्यार करते समय होता है। इसलिए उसने खुद को मीरा की बाहों में छोड़ दिया। जिसके बाद मीरा और कल्पना की प्रेम कहानी चल निकली।

इस घटना के बाद मीरा अपनी स्टूडेंट कल्पना से प्रेमी की तरह व्यवहार करने लगी तो कल्पना भी खुद को अपनी टीचर की प्रेमिका समझने लगी। जिससे दोनों स्कूल में और स्कूल से बाहर शहर में छुपकर एकांत में मिलने लगी।

दोनों दो साल तक छुपकर एक दूसरे से प्यार करती रहीं जिसके बाद जब मीरा द्वारा रखा गया शादी का प्रस्ताव कल्पना ने स्वीकार कर लिया तो मीरा ने अपना जेंडर चेंज करवाने का फैसला कर लिया। जिसके बाद मीरा ने अपने परिवार में और कल्पना ने अपने परिवार इस प्यार की जानकारी देते हुए आपस में शादी करने का फैसला भी सुना दिया।

आमतौर पर ऐसा कम होता कि इस तरह की शादी के लिए माता-पिता आसानी से राजी हो जाए। लेकिन इस मामले में मीरा और कल्पना दोनों की किस्मत वाली थी कि उनके परिवार इस शादी के लिए राजी हो गए। जिसके बाद मीरा, कल्पना के घर जाकर उसके माता-पिता से मिली और दोनों परिवार ने मिलकर उनकी सगाई तय कर दी।

कल्पना तो सगाई के तुंरत बाद ही मीरा ने शादी करना चाहती थी लेकिन मीरा ने शादी करने से पहले अपना सेक्स चेंज करवाने का फैसला किया। जिसके बाद 2019 में पहली सर्जरी कर मीरा के शरीर से उसके स्तन हटाकर पुरुष हार्मोंस देना शुरु कर दिया जिससे कुछ समय उसके दाड़ी और मूंछ पर बाल आने लगे। एक साल बाद 2020 में दूसरी और 2021 में तीसरी सर्जरी कर मीरा का फीमेल प्राइवेट पार्ट हटाकर उसके स्थान मेल प्राइवेट पार्ट बना दिया गया।

सर्जरी सफल रही तो इसके बाद 22 नवंबर 2022 को मीरा और कल्पना की शादी धूमधाम से कर दी गई जिसमें मीरा के स्कूल के स्टाफ के अलावा स्कूल की लगभग सभी छात्राओं और हजारों बिन बुलाए मेहमानों ने भाग लेकर दंपति के सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की।

● ● ●

कब्बड़ी सीखते-सिखाते हुआ प्यार

रोमांस के दिनों में कल्पना और आरब(मीरा)।

शादी के बाद कल्पना अपने पति मीरा का नाम नहीं लेती। उसका कहना है कि इन्होंने ने ही स्कूल में मुझसे कब्बड़ी खेलने को प्रेरित किया था। खेल सिखाने के दौरान यह जब भी मुझे पकड़ते थे तो एक अजीब सी सिरहन बदन में दौड़ जाती थी। जबकि दूसरी लड़कियां छूती थी तो कुछ भी अलग महसूस नहीं होता था। लेकिन इनके छूने का अंदाज बहुत अलग था। जिसके बाद हम दोनों नजदीक आते गए और फिर मैंने इन्हें अपना प्रेमी मान लिया।

कल्पना ने दिया नया नाम, ऑपरेशन में साथ रही

आरब (मीरा) और कल्पना।

मीरा के जेंडर चेंज करवाने का ऑपरेशन तीन साल तक चला जिसमें कल्पना हमेशा उसके साथ अस्पताल गई। मीरा के पूरी तरह लड़का बन जाने के बाद कल्पना ने ही उसने नया नाम दिया आरव। जिसके बाद मीरा, आरव कुंतल बन गई। युवक बन जाने के बाद मीरा का ट्रांसफर गर्ल्स स्कूल से बॉयज स्कूल में कर दिया गया है।

बचपन से ही लड़कों की तरह रहती थी मीरा

मीरा के पिता वीरसिंह का कहना है कि मीरा चार बहनों में सबसे छोटी है। वह बचपन से ही लड़कों के कपड़े पहनती और लड़कों के साथ ही खेलती थी। हमने उसे कई बार लड़कियों की तरह रहने और लड़कों से दूर रखने की कोशिश की लेकिन वह लड़कों के साथ आराम से खेलती थी लेकिन लड़कियों के साथ खेलने में शर्म करती थी। इसलिए जब उसने लड़का बनने का फैसला किया तो हमने उसे नहीं रोका।